**श्री उपसभापति:** देखिए, दिग्विजय सिंह जी, आप स्पेशल मेंशन में सरकार से फौरन जवाब-तलब नहीं कर सकते। ...(**व्यवधान**)... आप जीरो आवर में सरकार से ...(**व्यवधान**)...

**श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया:** सर, यह बहुत सीरियस मामला है। ...(**व्यवधान**)... क्या सरकार देखेगी कि जिसको सिक्योरिटी मिली हुई थी, वह सिक्योरिटी विदड्रा हो गई। ...(**व्यवधान**)...

**श्री उपसभापति:** आपने हाउस के नोटिस में ला दिया है। ...(**व्यवधान**)... सरकार इस पर इमीडिएट रिएक्ट करे, यह जरूरी नहीं है। ...(**व्यवधान**)... आपने कह दिया है। ...(**व्यवधान**)...

The Government has taken note of it. *...(Interruptions)...*

**श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया:** सर, उनकी सुरक्षा का सवाल है। ...(**व्यवधान**)... क्या गृह मंत्री जी, उनकी सुरक्षा का आश्वासन देंगे? ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Chair cannot insist on the Government. *...(Interruptions)...*

**श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया:** भारत के हर रीजनल लैंग्वेज टी॰वी॰ के साथ ऐसा हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... हमें इसके बारे में एश्योरेंस चाहिए।

**श्री उपसभापति:** देखिए, होम मिनिस्टर साहब रिएक्ट करेंगे। ...(**व्यवधान**)... आप सुन लीजिए।

**गृह मंत्री (श्री शिवराज वी॰ पाटिल):** उपसभापति महोदय, मैं तभी बोलने के लिए तैयार हूं, जब मेरा जवाब पूरी तरह से सुन लिया जाए। बीच-बीच में बोलेंगे, तो बात न इधर ही रह जाती है और न उधर की रह जाती है। ...(**व्यवधान**)... सर, यह सुरक्षा देने का जो सवाल है, उसके बारे में केन्द्र सरकार से स्टेट सरकार को कह कर, उसका पूरा इंतजाम करने के लिए कहा जाएगा। उन्होंने अगर वह नहीं किया, तो क्यों नहीं किया, यह पूछा जाएगा और उस हालत में जो हमको यहां से करना है, वह हम करेंगे।

## Reported incidents of rape of dalit and tribal women of Jharkhand by miscreamts in Balia district of Uttar Pradesh

**श्री अजय मारू (झारखंड):** धन्यवाद उपसभापति महोदय। कल भी झारखंड के एक महत्वपूर्ण विषय पर हमने चर्चा की थी। मैं एक ऐसे विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं जिससे पूरे झारखंड में आक्रोश का वातावरण उत्पन्न हो रखा है।

महोदय, गत 21 फरवरी, 2007 की रात लगभग 11.00 बजे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र के सीहोरीडीह गांव में स्थित ईंट-भट्टे पर 15 से 20 हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोल दिया।

उन्होंने पुरुष श्रमिकों को मारा पीटा और उन्हें एक स्थान पर बंधक बना दिया। उसके बाद घर में घुसकर सो रही युवतियों से छेड़छाड़ आरंभ कर दी और विरोध करने पर हथियारों के बल पर धमकाकर उन्हें चुप करा दिया। फिर एक-एक करके बदमाशों ने उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया तथा विरोध करने वाली महिलाओं को पीट-पीटकर बेहाल कर दिया गया। महोदय, इस घटना को अंजाम देने के बाद वे सब बदमाश रूपवार, भगवानपुर स्थित ईंट भट्टे पर जा पहुंचे और वहां भी इसी तरह की हरकत दोहराई गयी। वहां जमकर लूटपाट भी की गयी और एक दर्जन युवतियों के साथ दुराचार किया गया। दोनों स्थानों पर भुक्तभोगी सभी युवतियां झारखंड की आदिवासी एवं दलित परिवारों की युवतियां थीं।

महोदय, घटना की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बावजूद पुलिस 48 घंटे बाद हरकत में आयी और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ उन्होंने प्राथमिकी दर्ज की तथा उसके बाद कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। स्वाभाविक तौर पर झारखंड में इस मामले को लेकर जबर्दस्त प्रतिक्रिया हुई है और जगह-जगह प्रदर्शन एवं धरना दिया जा रहा है।

महोदय, घटना के विवरण से स्पष्ट है कि यह एक बहुत गंभीर मामला है और इसके पहले भी झारखंड की अनेक युवतियों के साथ दिल्ली, हरियाणा, पंजाब में अनेक स्थानों पर शारीरिक शोषण तथा कई मामलों में इन युवतियों की हत्या किए जाने की घटना भी सामने आयी है।

महोदय, झारखंड एक गरीब प्रदेश है। प्रतिवर्ष उत्तर प्रदेश के ईंट-भट्टों में, असम के चाय बागानों में तथा पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में घरेलू कार्य करने हजारों की संख्या में युवक-युवतियां आते हैं - कुछ स्वेच्छा से आते हैं और कुछ को बहला-फुसलाकर लाया जाता है - और फिर उनके साथ अभद्र एवं अनैतिक व्यवहार किया जाता है।

महोदय, सबसे पहले सरकार को सभी तथ्यों को सामने रखना चाहिए तथा अब तक की गयी कार्यवाही से अवगत कराना चाहिए। कानून व्यवस्था राज्य सरकार का विषय हो सकता है पर इस आधार पर केन्द्र अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता इसलिए सभी तथ्यों की पूर्ण और निष्पक्ष जानकारी ली जानी चाहिए और दोषी व्यक्तियों को अविलम्ब गिरफ्तार कर कानून के अंतर्गत कड़े से कड़े दंड दिलाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। दूसरा, इस बात पर विचार होना चाहिए कि काम की तलाश में एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने वाले गरीब श्रमिक, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के लिए तत्काल क्या कदम उठाए जा सकते हैं ताकि इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय घटना पर रोक लगायी जा सके।

**श्री गांधी आजाद** (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र** (उत्तर प्रदेश): महोदय, यह बहुत गंभीर विषय है, हम लोग माननीय सदस्य से संबंध करते हैं। इस पर कुछ न कुछ जवाब आना चाहिए।

1.00 P.M.

सुश्री मैबल रिबैलो (झारखंड): महोदय, हम इससे असोसिएट करते हैं।

---

## SUPPLEMENTARY DEAMANDS FOR GRANTS (RAILWAYS) 2006-07

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we take up Supplementary Demands for Grants (Railways) 2006-07. Mr. Velu.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI R. VELU): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (Railways) for the year 2006-07.

---

## Reported incidents of rape of dalit and tribal women of Jharkhand by miscreants in Balia district of Uttar Pradesh - *(Contd.)*

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी॰ पाटिल): महोदय, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि या तो Seventh Schedule की स्टेट लिस्ट अमेंड करके वह जिम्मेदारी हमें दी जाए, नहीं तो जब स्टेट की परिधि में आने वाले प्रश्न यहां पूछे जाते हैं तो उनका जवाब हम पूरी तरह से नहीं दे पाते हैं और ऐसी स्थिति में आप सुनने के लिए भी तैयार नहीं होते हैं। इसलिए दोनों में से एक चीज होनी चाहिए। ला ऐंड आर्डर का सवाल बार-बार यहां उठाते हैं। Seventh Schedule का स्टेट लिस्ट का पहला टापिक है, Police, and law and order, which is exclusively within the jurisdiction of the State ...*(Interruptions)*...

श्री अजय मारू: सर, माननीय ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: यह सबजेक्ट समाप्त हो गया है।

This subject is over.

---

## GOVERNMENT BILL

## The Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Puducherry Bill, 2007.

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. ANBUMANI RAMDOSS): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to declare the Institution known as the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Puducherry, to be an institution of national importance and to provide for its incorporation and matters connected therewith.